जल्द आएगी पहली 'मेड-इन-इंडिया' चिप

गुजरात में तीन सेमीकंडक्टर प्लांट्स में शुरू हुआ पायलट प्रोडक्शन

नई दिल्ली, 3 नवंबर. केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को घोषणा की कि गुजरात में स्थापित किए जा रहे तीन प्रमुख सेमीकंडक्टर प्लांट्स में पायलट उत्पादन शुरू हो गया है. उन्होंने बताया कि इन परियोजनाओं पर कार्य अपेक्षा से अधिक तेज़ी से प्रगति कर रहा है और अगले दो से तीन महीनों में उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद है.

गुजरात प्रोजेक्ट्स की प्रगति- केंद्रीय मंत्री ने गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी और आईटी मंत्री अर्जुन मोढवाडिया के साथ चारों सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट्स की समीक्षा की. उन्होंने मीडिया से बातचीत में पुष्टि की कि कायन्स और सीजी के प्लांट्स में पायलट उत्पादन प्रारंभ हो चुका है, जबकि माइक्रोन के मिनी प्लांट में उत्पादन पहले से जारी है, जिसे अब और विस्तार दिया जाएगा.

वैष्णव ने कहा कि धोलेरा में फैब प्रोजेक्ट पर भी तेज़ी से कार्य प्रगति पर है. उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में धोलेरा देश का एक बड़ा हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग हब बनेगा. यह प्रोजेक्ट सेमीकंडक्टर निर्माण में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगा.

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि भारत अब सेमीकंडक्टर चिप्स के उत्पादन में वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की स्थिति में पहुँच रहा है. उन्होंने कहा, 'पहली मेड-इन-इंडिया 28-90 एनएम चिप जल्द ही बाजार में उतारी जाएगी.'

ओडिशा को भी मिली गति

इससे पहले शनिवार को केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित इन्फो वैली में सिक्सेम प्राइवेट लिमिटेड के कंपाउंड सेमीकंडक्टर फैब और एटीएमपी फैसिलिटी के भूमि पूजन समारोह में हिस्सा लिया. उन्होंने इस अवसर पर बताया कि पिछले 11 वर्षों में भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग छह गुना और निर्यात आठ गुना बढ़ा है, जिसके परिणामस्वरूप इलेक्ट्रॉनिक्स अब देश के तीसरे सबसे बड़े निर्यात क्षेत्र के रूप में उभर चुका है. उन्होंने कहा कि ऐसे प्रोजेक्ट्स ओडिशा को भी इस वृद्धि यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का अवसर देंगे.

अक्टूबर में ऑफिस जॉब्स में 9 प्रतिशत की गिरावट

मुंबई, 3 नवंबर. देश में अक्टूबर में कार्यालयों की भर्ती गतिविधियों में सालाना आधार पर 9 प्रतिशत की गिरावट आई है. जॉबस्पीक की रिपोर्ट के अनुसार दिवाली और दशहरा के त्योहारों के कारण नियुक्तियों में अस्थायी कमी दर्ज की गई. हालांकि, कुछ क्षेत्रों ने सकारात्मक प्रदर्शन दिखाया. लेखा और वित्त में 15 प्रतिशत, शिक्षा में 13 प्रतिशत और बीपीओ/आईटीईएस में 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई. शिक्षा क्षेत्र में नई और स्टार्टअप नियुक्तियों ने गति बढ़ाई, जिसमें हैदराबाद, चेन्नई और बेंगलुरु का विशेष योगदान रहा. एआई और मशीन लर्निंग भूमिकाओं में पेशेवरों की मांग में भी 33 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई. वहीं आईटी और बैंकिंग क्षेत्र में कमी रही, जबकि आईटी यूनिकॉर्न कंपनियों में भर्ती गतिविधियां स्थिर रहीं.

मैन्युफैक्चरिंग में जबरदस्त उछाल

सितंबर के 57.7 से बढ़कर पीएमआई 59.2 पर पहुंचा

मजबूत घरेलू मांग और तकनीकी निवेश ने बढ़ाया उत्पादन

नई दिल्ली, 4 नवंबर. भारत की मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों में अक्टूबर में जोरदार उछाल दर्ज किया गया है. एसएंडपी ग्लोबल द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, एचएसबीसी मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स सतंबर के 57.7 से बढ़कर 59.2 पर पहुंच गया है.

मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई में बढ़त की वजह मजबूत घरेलू मांग, जीएसटी सुधार, उत्पादकता में वृद्धि और उच्च तकनीकी निवेश था. एचएसबीसी में चीफ इंडिया इकोनॉमिस्ट, प्रांजुल भंडारी ने कहा कि भारत का मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई अक्टूबर में बढ़कर 59.2 हो गया है, जो कि इससे पहले के महीने में 57.7 पर था. बीते महीने मजबूत मांग ने आउटपुट को बढ़ावा दिया. इससे नौकरियों के अवसर पैदा हुए और कंपनियों को नए ऑर्डर मिले.

इनपुट की कीमतों में अक्टूबर में देखी गई नरमी- उन्होंने आगे कहा कि इनपुट की कीमतों में अक्टूबर में नरमी देखी गई है. हालांकि, औसत बिक्री मूल्य में वृद्धि हुई है, इसकी वजह मैन्युफैक्चरर्स की ओर से अतिरिक्त लागत को ग्राहकों को पास करना था. जीएसटी सुधार के कारण अक्टूबर में नए ऑर्डर्स की संख्या में तेजी से हुआ इजाफा डेटा के मुताबिक, मजबूत मांग, विज्ञापन और हाल में लागू हुए जीएसटी सुधार के कारण अक्टूबर में नए ऑर्डर्स की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है.

ग्रोथ सितंबर के मुकाबले अधिक तेज थी और फैक्ट्री आउटपुट भी तेजी से बढ़ा. एक्सपेंशन रेट अगस्त के लेवल के बराबर था, जो पिछले पांच सालों में सबसे मजबूत लेवल में से एक था. जब भी पीएमआई 50 से ऊपर होता है तो आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि को दिखाता है.

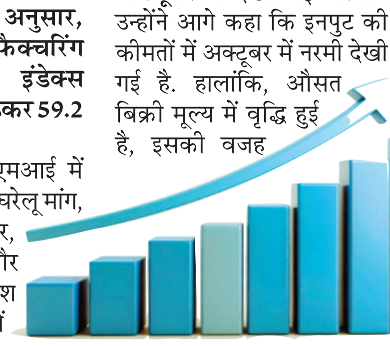

सॉफ्टा टेक्नोलॉजीज ने तैयार किया ऐप

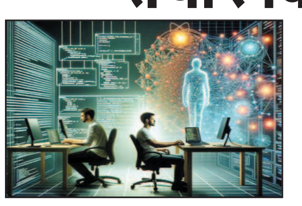

नयी दिल्ली, 03 नवंबर. भारत की प्रौद्योगिकी कंपनी सॉफ्टा टेक्नोलॉजीज ने सोमवार को देश का पहला पूर्णत: स्वदेशी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जेकटर लॉन्च करने की घोषणा की.

कंपनी ने दावा किया है कि यह प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ताओं के डेटा की 100 प्रतिशत सुरक्षा सुनिश्चित करेगा और किसी भी बाहरी या सरकारी एजेंसी को निजी डेटा तक पहुंच नहीं होगी. कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि जेकटर को भारतीयों की डिजिटल सुरक्षा को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है. उन्होंने कहा, जेकटर पर कोई भी व्यक्ति किसी अन्य उपयोगकर्ता का वीडियो, फोटो या डेटा न तो डाउनलोड कर सकेगा और न कॉपी. विशेष रूप से महिलाओं की ऑनलाइन सुरक्षा और गोपनीयता को प्राथमिकता दी गई है. सिंह ने बताया कि यह ऐप गूगल प्लेस्टोर पर उपलब्ध है, जबकि इसका औपचारिक लॉन्च प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जाएगा. जेकटर को सभी भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराया जा रहा है ताकि देश के हर कोने के लोग इसे उपयोग कर सकें.

सोने-चांदी में उछाल, शादी से पहले बढ़े दाम

नई दिल्ली, 3 नवबंर. शादी का सीजन शुरू होने ही वाला है, और इससे पहले सोने-चांदी के दामों ने फिर रफ्तार पकड़ ली है. एमसीएक्स पर सोमवार सुबह 10 बजे तक सोना 121,460 प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया, जबकि चांदी ?1,48,927 प्रति किलो पर कारोबार कर रही है. दोनों ही धातुओं में तेजी का मुख्य कारण शादी के सीजन में बढ़ती मांग और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में डॉलर की कमजोरी मानी जा रही है.

विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले हफ्तों में सोने की कीमतों में और इजाफा देखने को मिल सकता है, क्योंकि नवंबर-दिसंबर में बड़ी मात्रा में ज्वेलरी की खरीदारी होती है. वहीं, निवेशकों के लिए यह समय सावधानी भरा है — क्योंकि दामों में इस वक्त उतार-चढ़ाव जारी है.

दिल्ली एयरपोर्ट पर 34% बढ़ा अंतरराष्ट्रीय ट्रांजिट

इंदिरा गांधी हवाई अड्डा तेजी से विमान सेवा कंपनियों के लिए हब के तौर पर उभर रहा है

नयी दिल्ली, 03 नवंबर. दिल्ली का इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा तेजी से विमान सेवा कंपनियों के लिए हब के तौर पर उभर रहा है और सितंबर 2024 से अगस्त 2025 के दौरान यहां अंतरराष्ट्रीय ट्रांजिट साल-दर-साल 34 प्रतिशत बढ़ा.

दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) ने सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि सितंबर 2024 से अगस्त 2024 के बीच इस एयरपोर्ट पर ट्रांजिट यात्रियों की संख्या 6.7 लाख रही, जो इससे पहले के एक साल की तुलना में 34 फीसदी अधिक है. सितंबर 2023 से अगस्त 2024 के बीच यह ट्रांजिट यात्रियों की संख्या 4.98 लाख रही थी. अगस्त 2025 को समाप्त एक साल के दौरान पूरब के देशों से आकर पश्चिम के देशों में जाने वाले यात्रियों की संख्या 34 प्रतिशत और पश्चिम के आकर पूरब की तरफ जाने वाले यात्रियों की संख्या 35 प्रतिशत बढ़ी. अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात संघ के आंकड़ों का हवाला देते हुए डायल ने बताया कि ट्रांजिट यात्रियों में 67 प्रतिशत ने एयर इंडिया की फ्लाइट में यात्रा की जबकि 25 प्रतिशत योगदान इंडिगो का रहा. अंतरराष्ट्रीय ट्रांजिट यात्री वे हैं, जो किसी दूसरे देश से आते हैं तथा किसी और फ्लाइट से किसी तीसरे देश को जाते हैं. डायल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विदेह कुमार जयपुरियार ने कहा कि यूरोप, पूर्वी एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया में फैले अपने बेजोड़ नेटवर्क के साथ दिल्ली हवाई अड्डा वैश्विक विमानन मानचित्र पर देश की स्थिति को लगातार मजबूत कर रहा है.

जीएसटी राहत से विनिर्माण को मिली रफ्तार

अक्टूबर में विनिर्माण तेज़, पीएमआई पहुंचा 59.2 पर

जीएसटी कटौती बनी इंजन, इंडस्ट्री ने पकड़ी गति

मुंबई, 03 नवंबर. वस्तु एवं सेवा कर में की गई हालिया कटौती ने देश के विनिर्माण क्षेत्र में नई ऊर्जा फूंक दी है. सितंबर के अंत में लागू किए गए टैक्स सुधारों का असर अक्टूबर के आंकड़ों में साफ दिखाई दे रहा है.

एचएसबीसी द्वारा जारी भारत विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) सितंबर के 57.7 से बढ़कर अक्टूबर में 59.2 पर पहुंच गया, जो विनिर्माण गतिविधियों में मजबूत तेजी का संकेत देता है. पीएमआई का 50 से ऊपर रहना विस्तार और उससे नीचे जाना संकुचन को दर्शाता है. यह लगातार दूसरा महीना है जब सूचकांक तेज़ी से ऊपर गया है. रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी में राहत, उत्पादन बढ़ाने की क्षमता और तकनीकी निवेश ने उद्योगों की वृद्धि दर को नई ऊंचाई दी है. एचएसबीसी इंडिया की मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, अक्टूबर में मजबूत मांग ने आउटपुट, नये ऑर्डर और रोजगार सृजन की रफ्तार बढ़ाई है. लागत दबाव कम हुआ है, जबकि औसत विक्रय मूल्य में वृद्धि दर्ज की गई है. टैक्स सुधार और बेहतर मांग के कारण कारोबारी भावना सकारात्मक बनी हुई है. रिपोर्ट में बताया गया है कि घरेलू बाजार में ऑर्डरों की बाढ़ ने विनिर्माण को आगे बढ़ाया, जबकि विदेशों से मिले ऑर्डरों की वृद्धि अपेक्षाकृत सुस्त रही.

भारत के विनिर्माण क्षेत्र को नई गति

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह रफ्तार बनी रही तो आने वाले महीनों में विनिर्माण क्षेत्र भारत की जीडीपी वृद्धि को और मजबूती देगा. जीएसटी में कटौती से छोटे एवं मध्यम उद्योगों (एसएमई) को भी राहत मिली है, जिससे उनकी उत्पादन क्षमता और प्रतिस्पर्धा बढ़ी है. कुल मिलाकर, अक्टूबर का महीना उद्योगों के लिए सकारात्मक संकेत लेकर आया है—जहां टैक्स राहत, घरेलू मांग और तकनीकी निवेश ने मिलकर भारत के विनिर्माण क्षेत्र को नई गति दी है.

उतार-चढ़ाव के साथ रहा बाजार

39.78 अंक की बढ़त पर रहा संसेक्स

41.25 अंक से आगे रहा निफ्टी

नई दिल्ली, 03 नवंबर. सप्ताह के पहले कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ. शुरुआती कारोबार में उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशकों ने दिन के अंत में सतर्क खरीदारी दिखाई, जिससे बीएसई सेंसेक्स 39.78 अंक चढ़कर 83,978.49 पर और एनएसई निफ्टी 41.25 अंक बढ़कर 25,763.35 के स्तर पर बंद हुआ.

कारोबार के दौरान बाजार में सीमित दायरे में उतार-चढ़ाव देखा गया. बैंकिंग और आईटी शेयरों में हल्की खरीदारी ने बाजार को सहारा दिया, जबकि ऊर्जा और धातु कंपनियों के शेयरों में दबाव दिखा. विश्लेषकों के अनुसार, निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आगामी नीति बैठक, कच्चे तेल की कीमतों और विदेशी बाजारों के रुझान पर नजर बनाए हुए हैं. इससे बाजार में सतर्कता का माहौल बना हुआ है. सेंसेक्स के 30 शेयरों में से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचडीएफसी बैंक, और इन्फोसिस में बढ़त दर्ज की गई, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील और पावर ग्रिड में गिरावट आई. निफ्टी के 50 प्रमुख शेयरों में भी अधिकांश सूचकांक मामूली दायरे में रहे.

भारत में कोलगेट की चमक फीकी

नई दिल्ली, 3 नवबंर. भारत के दिग्गज टूथपेस्ट ब्रांड कोलगेट-पामोलिव के लिए साल 2025 का तीसरा तिमाही अच्छा नहीं रहा. देश के सबसे बड़े ओरल केयर सेगमेंट में हिस्सेदारी रखने वाली इस कंपनी की बिक्री में लगातार गिरावट दर्ज की गई है. कंपनी के चेयरमैन और ग्लोबल सीईओ नोएल वालेस के अनुसार, भारत में शहरी मांग उम्मीद से कमजोर रही है, जबकि ग्रामीण बाजार ही फिलहाल कंपनी को संभाल रहे हैं. सितंबर तिमाही में कोलगेट की आय 6.3त्न घटी, वहीं बाजार हिस्सेदारी भी 46.1प्रतिशत से घटकर 42.6% पर आ गई है.

चावल, चीनी, दालें मजबूत, गेहूं नरम; खाद्य तेलों में घट-बढ़

नयी दिल्ली, 03 नवंबर. घरेलू थोक जिंस बाजारों में सोमवार को चावल की औसत कीमतों में तेजी रही जबकि गेहूं में गिरावट रही. चावल के साथ चीनी और दालों के दाम भी बढ़ गये. वहीं, खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया.

विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जनवरी वायदा 92 रिंगिट लुढ़ककर 4,115 रिंगिट प्रति टन रह गया. अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 48.60 डॉलर के भाव बोला गया.

घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत 91 रुपये बढ़कर 3,838.59 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी. गेहूं 20 रुपये टूटकर 2,863.56 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका. आटे की कीमत 31 रुपये फिसलकर 3,313.35 रुपये प्रति क्विंटल हो गयी. खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव रहा. मूंगफली तेल की औसत कीमत 139 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी.

समाचार विशेष

एनडीए के खिलाफ महा-गठबंधन के दो उम्मीदवार

पटना. बिहार के जमुई जिले की सिकंदरा विधानसभा सीट (अनुसूचित जाति आरक्षित), जो झारखंड की सीमा से सटी है, इस बार अपने ऐतिहासिक महत्व और अद्वितीय राजनीतिक समीकरण के कारण सुर्खियों में है. यह क्षेत्र जैन धर्म के लिए एक प्रमुख तीर्थस्थल है, लेकिन चुनावी अखाड़े में यहां एनडीए के उम्मीदवार के सामने महागठबंधन के दो-दो दिग्गज उम्मीदवार खड़े हो गए हैं, जिससे मुकाबला अप्रत्याशित रूप से त्रिकोणीय और कड़ा हो गया है.

सिकंदरा सीट पर वर्तमान में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) का कब्जा है. एनडीए गठबंधन के तहत 'हम' ने निवर्तमान विधायक प्रफुल्ल कुमार मांझी को दोबारा मैदान में उतारा है. उनका लक्ष्य अपनी सीट बरकरार रखते हुए एनडीए की ताकत साबित करना है. इस सीट पर सबसे बड़ा चुनावी ड्रामा महागठबंधन के भीतर है. कांग्रेस ने यहां से विनोद चौधरी को उम्मीदवार बनाया है, जबकि सहयोगी राजद ने भी बागी होते हुए उदय नारायण चौधरी के रूप में अपना उम्मीदवार उतार दिया है. महागठबंधन की यह आंतरिक फूट सीधे तौर पर एनडीए के लिए फायदेमंद हो सकती है, क्योंकि महागठबंधन के पारंपरिक वोट बैंक (यादव, मुस्लिम, दलित) के दो हिस्सों में बंटने की आशंका है. जनसुराज पार्टी से सुभाष चंद्र बोस भी मैदान में हैं, जो मुकाबले को और जटिल बना रहे हैं. सिकंदरा विधानसभा क्षेत्र में अब तक 15 बार चुनाव हुए हैं. शुरुआती दौर में कांग्रेस ने पांच बार जीत हासिल कर अपना वर्चस्व बनाए रखा. इसके अलावा, भाकपा और जदयू ने भी दो-दो बार जीत दर्ज की. 2015 में यह सीट कांग्रेस के सुधीर कुमार ने जीती थी, लेकिन 2020 में यह 'हम' के पास चली गई.

धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व

सिकंदरा क्षेत्र अपनी गहरी धार्मिक आस्था के लिए प्रसिद्ध है. यहां स्थित जैन मंदिर लछुआर में भगवान महावीर की 2,600 वर्ष से अधिक पुरानी काली पत्थर की मूर्ति है. यह स्थल जैन तीर्थयात्रियों के लिए एक प्रमुख केंद्र है. कुमार गांव में स्थित मां नेतुला मंदिर एक प्रसिद्ध सिद्धपीठ है, जहां नेत्र और पुत्र प्रदाता देवी के रूप में मां अंबे की पूजा की जाती है. नेत्र विकार से पीड़ित भक्त यहां बड़ी संख्या में आते हैं. ये धार्मिक केंद्र स्थानीय संस्कृति को समृद्ध करते हैं, लेकिन चुनाव में जातिगत गोलबंदी और राजनीतिक समीकरण ही अंतिम परिणाम तय करते हैं. इस बार महागठबंधन की फूट का फायदा एनडीए उठाता है या बागी उम्मीदवार बाजी पलट देते हैं, यह देखना दिलचस्प होगा.

सियासी घमासान, अकेली पड़ीं ममता

एसआईआर पर 'इंडिया' गठबंधन में दरार

कोलकाता. बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर एकजुट दिखने वाला 'इंडिया' गठबंधन पश्चिम बंगाल में बिखरता हुआ बिल्कुल अलग-अलग नजर आ रहा है. जहां तृणमूल कांग्रेस इस मुद्दे पर खुलकर मैदान में है, वहीं कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियां सतर्क रुख अपना रही हैं. 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले एसआईआर का यह मुद्दा बंगाल की राजनीति में बड़ा भूचाल मचा सकता है. जिससे विपक्षी एकता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं. इस समय एसआईआर को लेकर ममता बनर्जी की पार्टी खुद को अलग-थलग महसूस कर रही है.

पश्चिम बंगाल में 2026 के मध्य में विधानसभा चुनाव होने हैं. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 2011 से लगातार सत्ता में हैं. हालांकि कांग्रेस, लेफ्ट और टीएमसी राष्ट्रीय स्तर पर 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा हैं, लेकिन राज्य में कांग्रेस विपक्ष की भूमिका निभाती रही है. ममता बनर्जी भी बंगाल में अपने दम पर ही चुनाव लड़ती आई हैं. इसी सियासी मजबूरी के चलते कांग्रेस इस मुद्दे पर फूंक-फूंककर कदम रख रही है और बीच का रास्ता अपनाती दिख रही है.

राजनीतिक रणनीति या मजबूरी?

बंगाल में कांग्रेस न तो तृणमूल के साथ खड़ी दिखना चाहती है और न ही एसआईआर का खुला विरोध करके कोई मौका गंवाना चाहती है. पार्टी रणनीतिकार मानते हैं कि बिहार में एसआईआर के खिलाफ तृणमूल 'इंडिया' गठबंधन के साथ खड़ी थी, लेकिन बंगाल में स्थिति अलग है. राजनीतिक जानकारों का मानना है कि 12 राज्यों में चल रही एसआईआर की यह प्रक्रिया संसद के शीतकालीन सत्र में एक बड़ा मुद्दा बन सकती है, लेकिन बंगाल में गठबंधन की यह दरार विपक्ष की रणनीति को कमजोर कर सकती है.

जुबली हिल्स का चुनाव इतना अहम क्यों है?

नई दिल्ली. हैदराबाद की जुबली हिल्स सीट पर 11 नवंबर को मतदान होना है. उससे पहले तेलंगाना की कांग्रेस सरकार इस सीट पर जिस अंदाज में चुनाव लड़ रही है वह कमाल का है.

यह सीट राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी भारत राष्ट्र समिति के विधायक गोपीनाथ के निधन से खाली हुई है. इस सीट पर पिछले चुनाव में कांग्रेस की ओर से पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद अजहरूद्दीन चुनाव लड़े थे. जब सीट खाली हुई तो यह माना जा रहा था कि कांग्रेस फिर से अजहरूद्दीन को उम्मीदवार बनाएगी. लेकिन कांग्रेस को पता था कि मुस्लिम उम्मीदवार देने से ध्रुवीकरण होगा लेकिन पार्टी मुस्लिम समुदाय को नाराज भी नहीं करना चाह रही थी. इसलिए अजहर को एमएलसी बना दिया गया. अब उनको रेवंत रेड्डी सरकार के पहले मुस्लिम मंत्री के तौर पर सरकार में शामिल किया जा रहा है.

सोचें, एक सीट के लिए कांग्रेस और उसकी राज्य सरकार क्या कर रही है? वह भी तब जब असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ने कांग्रेस को समर्थन दिया है.

विशेष | चुनाव मैदान में 2-2 सिंघम

आईपीएस का जॉब छोड़ राजनीति में ली है एंट्री

पटना. बिहार विधानसभा के चुनाव में दो आईपीएस सियासी समर में कूदे हैं. एक हैं शिवदीप डब्लू लांडे जो मुंगेर जिले के जमालपुर से निर्दलीय चुनाव मैदान में हैं. दूसरे हैं आनंद मिश्रा, जो बक्सर विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी प्रत्याशी हैं. शिवदीप लांडे और आनंद मिश्रा के बीच तीन बड़ी समानता है. पहला कि दोनों अधिकारी की पहचान सुपर कॉप, दबंग और सिंघम के रूप में रही है. शिवदीप लांडे को बिहार का सिंघम, जबकि आनंद मिश्रा को असम का सिंघम कहा जाता रहा है. दूसरी बड़ी समानता है कि आइपीएस की नौकरी से इस्तीफा देकर सियासत में इंट्री मारे हैं. तीसरी बड़ी समानता है कि दोनों की पत्नी बिजनेस वूमेन हैं.

कौन हैं शिवदीप लांडे- 49 वर्षीय शिवदीप डब्लू लांडे मूल रूप से महाराष्ट्र के अकोला जिले के विदर्भ इलाका के रहने वाले हैं. वह किसान परिवार से हैं. शिवदीप लांडे की शादी महाराष्ट्र के पूर्व वाटर रिसोर्स एंड वाटर कंजरवेशन मिनिस्टर विजय शिवतारे की बेटी ममता शिवतारे से हुई. शिवदीप 2006 बैच के आईपीएस अधिकारी रहे हैं. हालांकि इसके पहले इंडियन रेवेन्यू सर्विस के लिए भी सेलेक्शन हुआ था. शिवदीप महाराष्ट्र के अकोला जिला के पारस सरस्वती विद्यालय से एसएससी, सरस्वती जूनियर कॉलेज से एचएसएससी और अमरावती यूनिवर्सिटी के एसएसजीएमसीई से बीई इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग किया है. फिलहाल, शिवदीप लांडे कदकुआं, बांकीपुर पटना में रहते हैं. एक साल पहले शिवदीप लांडे ने आईपीएस की नौकरी से इस्तीफा दे दिया था, जब वे पूर्णिया के आईजी थे

.राजनीति में इंट्री के लिए आईपीएस से दिया इस्तीफा- शिवदीप लांडे ने सियासत में इंट्री के लिए आईपीएस की नौकरी से इस्तीफा दिया था. उन्होंने 19 सितंबर 2024 को नौकरी से रिजाइन कर दिया था. इसके बाद सियासत में आ गए. उन्होंने 8 मार्च 2025 को हिंद सेना नाम का पार्टी का गठन भी किया था. पूरे बिहार में लड़ाने की घोषणा की थी. हालांकि फिलहाल शिवदीप फिलहाल निर्दलीय लड़ रहे हैं.

कौन हैं आनंद मिश्रा

बक्सर से बीजेपी प्रत्याशी आनंद मिश्रा बिहार के बक्सर जिले के इटारही के जिगना के रहने वाले हैं. वह मूलरूप से भोजपुर जिले के शाहपुर प्रखंड के पड़सौरा गांव के रहनेवाले हैं. हालांकि शपथपत्र में मोसाफिरगंज, बक्सर का जिक्र किया है. आनंद मिश्रा के पिता परमहंस मिश्र हिंदुस्तान मोटर्स कोलकाता में इंजीनियर रहे हैं. आनंद मिश्रा हिंद मोटर एजुकेशन सेंटर कोलकाता से मैट्रिक किया. जबकि कोलकाता के सेंट जेवियर्स कॉलेज से पॉलिटिकल साइंस से ग्रेजुएशन. उसमानिया यूनिवर्सिटी हैदराबाद से पुलिस प्रबंधन में मास्टर्स किया है. 44 वर्षीय आनंद मिश्रा असम कैडर के पुलिस अधिकारी रहे हैं. **सियासत में इंट्री के लिए छोड़ी नौकरी-** आनंद मिश्रा सियासत में इंट्री के लिए आईपीएस की नौकरी छोड़ी है. जनवरी 2024 में आनंद मिश्रा ने त्यागपत्र दिया था, तब वे असम के लखीमपुर में एसएसपी थे. फिर बक्सर से लोकसभा चुनाव लड़े. बीजेपी से चुनाव लड़ना चाहते थे. टिकट नही मिली थी.